प्रेरणा स्रोत, रामायण मंच

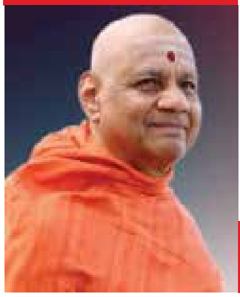

पूज्य स्वामी गोविन्ददेव गिरी जी महाराज
(कोषाध्यक्ष, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट)

रामायण मंच

RamayanManch.com

रामायण रिसर्च काउंसिल के प्रकल्प 'डिजिटल रामायण' के अंतर्गत "रामायण मंच" एक यूट्यूब प्लेटफार्म है, जहां तैयार हो रहे पुस्तक ग्रंथ "श्रीरामलला- मन से मंदिर तक" पर 1,000 शॉर्ट वीडियोज तैयार करवाना लक्ष्य है। इसके अलावा देश में सांस्कृतिक चेतना के विकास के लिए हम पवित्र श्रीरामचरितमानस के छंदों एवं उसके अर्थसहित वर्णन को छोटे बच्चों को याद करवाते हैं, उनसे ही बुलवाकर, उसे रिकॉर्ड करते हैं और 'रामायण मंच' यू-ट्यूब प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रसार करते हैं। बच्चों को इस पुनीत कार्य में शामिल करने से कई लाभ हो रहे हैं:

- **बच्चों के मुख से ऐसे पवित्र छंदों के वर्णन से उनमें एक संस्कार का विकास हो रहा है।**
- **दूसरे अभिभावकों एवं उनके बच्चों में एक प्रतियोगी भावना का विकास हो रहा है।**
- **कई घरों में पवित्र श्रीरामचरितमानस एवं श्रीरामायण को न केवल रखना शुरू हुआ है, बल्कि उनका अध्ययन भी किया जाना शुरू हुआ है।**
- **भारत की संस्कृति के विकास में हमारा यह छोटा प्रयास हो सकता है।**
- **आने वाली पीढ़ी एक सुसंस्कृत एवं सही विचारधारा के साथ उत्तरोत्तर आगे बढ़ सकती है।**
- **पूरे विश्व में सनातन विचारधारा वाले लोग इस अभियान में साथ आ सकते हैं।**

वेदांत ठाकुर (9 वर्ष)
एंकर, रामायण मंच

अधिक जानकारी के लिए इससे संबंधित वेबसाइट www.ramayanmanch.com पर विजिट कर सकते हैं।

श्री एनके झा,
अध्यक्ष, रामायण मंच

श्री दीपक शर्मा,
उपाध्यक्ष, रामायण मंच

श्री दीपक शर्मा,
संगीत प्रमुख, रामायण मंच

श्रीमति ज्योति शर्मा,
गाजियाबाद प्रमुख, रामायण मंच

श्री रजत मित्तल,
सह प्रमुख, गाजियाबाद, रामायण मंच

श्री शिखर शर्मा,
समन्वयक, रामायण मंच

श्री विजय उपाध्याय,
हरिद्वार प्रमुख, रामायण मंच

श्री चन्द्रशेखर सोनी,
इटारसी (मध्य प्रदेश) प्रमुख, रामायण मंच

श्री यशपाल सिंह असवाल,
ऋषिकेष प्रमुख, रामायण मंच

श्री विष्णु पुरी जी महाराज,
चौपाई प्रमुख, इटारसी (म.प्र.), रामायण मंच

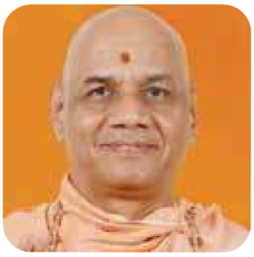

स्वामी गोविन्ददेव गिरि

आचार्य - डी.लिट्. (मानद)

कोषाध्यक्ष, श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र (न्यास), अयोध्या

।। श्रीहरि: ।।

'धर्मश्री', सूर्यमुखी दत्तमंदिर के समीप,
पुणे विद्यापीठ मार्ग, पुणे ४११०१६
दूरभाष : (०२०) २५६५२५८९
फॅक्स : (०२०) २५६७२०६९
swamigovindgiriji@gmail.com

आदरणीय
श्री. कुमार सुशांत जी
रामायण रिसर्च काउंसिल

सप्रेम जय सियाराम!

भगवान् श्रीराम एवं उनके संपूर्ण परिवार की कथा हमारी संस्कृतिके जीवनादर्शोंकी कथा है। संस्कृत एवं हमारे देश के सभी प्रदेशों की प्राकृत भाषाओं में श्रीराम कथा का गान अत्यंत श्रद्धापूर्वक किया गया है। महान संत गोस्वामी तुलसीदासजी महाराज का रामचरितमानस तो श्रेष्ठजनों के द्वारा सम्मानित वह ग्रंथ है जिसने मध्ययुगीन विध्वंसक आक्रमण काल में भी सांस्कृतिक भाव को जन सामान्य में सुरक्षित रखा।

यह पवित्र धरोहर अगली पीढी को प्रदान करना हम सभी का परम कर्तव्य है। आधुनिक भौतिकतावादी विलासी एवं गतिमान वातावरण में तो यह कार्य और भी अति आवश्यक हो जाता है। इस दृष्टी से 'रामायण मंच' के माध्यम से ये सभी सांस्कृतिक भाव आप बालक/बालिकाओं तक पहुंचानेका जो प्रयास कर रहे हैं वह नितांत अभिनंदनीय है।

इस 'रामायण मंच' के प्रेरणा स्रोत मंडल में आप मेरा भी नाम संमिलित करना चाहते है यह आपके उदार अंत:करण का स्नेह भाव भी हृदय को छू जाता है। समय का अभाव और अपनी योग्यता का भान होनेसे मुझे तो बडा संकोच हो रहा है। किंतु आप उचित समझते है और इससे कार्य में किसी प्रकार सहयोग हो सकता हो तो 'रामायण मंच' के प्रेरणा स्रोत बनने में मेरी सहमति है। आप जैसा उचित समझें वह करें। शेष शुभ।

जय सियाराम!

ज्येष्ठ शु. ८
युगाब्द ५१२४
दि. ०८/०६/२०२२

श्री ज्ञानेश्वरपदाश्रित,
स्वामी गोविंददेवगिरि:

जन्मोत्सव पर छात्रों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

संवाद सहयोगी, साहिबाबाद : हनुमान जन्मोत्सव पर क्षेत्र में जगह-जगह मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर भंडारे के प्रसाद का वितरण किया। सेवाधाम विद्या मंदिर में आयोजित हनुमान सखा संवाद कार्यक्रम में 125 छात्रों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया।

रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में सेवा भारती सेवाधाम विद्या मंदिर में आयोजित हनुमान सखा संवाद कार्यक्रम में 125 छात्रों ने श्री रामचरितमानस की चौपाई के मंत्र के साथ हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रस्तुति दी। रामायण रिसर्च काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य देश में सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन करना है। वहीं खोड़ा कालोनी स्थित वैष्णो धाम गोल मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया। शिप्रा रिवेयरा सोसायटी स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं ने हनुमान जी को चौला चढ़ाकर 101 किलो लड्डू का भोग लगाया। इस अवसर पर विशाल भंडारा में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। क्षेत्र स्थित सेक्टर 4 स्थित देव देवेश्वर मंदिर में 1 कुंतल 51 किलो के 56 प्रकार के भोगों का लड्डू बनाकर भाग लगाया गया।

बच्चों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

■वरिष्ठ संवाददाता, टीएचए: हनुमान जयंती पर शनिवार को सेवा भारती सेवा धाम विद्या मंदिर में रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में हनुमान सखा संवाद कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में 125 बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यक्रम की खास बात यह भी थी कि हनुमान चालीसा पाठ के अलावा सभी प्रस्तुति बच्चों ने ही की। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि रामायण रिसर्च काउंसिल के अध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्र, पितांबर कुमार, राजीव सिंह आदी मौजूद रहे।

स्वदेश

आगरा - मुख्य संस्करण

17 Apr 2022

मिशन चलो रामराज्य की ओर का हुआ शुभारंभ

स्वदेश संवाददाता ■ वृंदावन

देश के सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गठित रामायण रिसर्च काउंसिल के मिशन चलो रामराज्य की ओर का शुभारंभ वंशीवट स्थित मलूक पीठ सेवा संस्थान में तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य देवाचार्य एवं मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्रदास देवाचार्य के सानिध्य में हुआ।

संयोजक रविकांत गर्ग ने काउंसिल के गठन का उद्देश्य एवं आगामी क्रियाकलापों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने काउंसिल के मिशन चलो रामराज्य की ओर के माध्यम से समस्त सनातन धर्मावलम्बियों को श्रीराम के जीवनकाल में की गई लीलाओं द्वारा स्थापित किए गए आदर्शों एवं उसके भाव के प्रति जागृत करने के उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने काउंसिल द्वारा श्रीराम मंदिर संघर्ष पर लिखे जा रहे ग्रंथ श्रीरामलला-मन से मंदिर तक पर भी विस्तार से चर्चा की।

चलो रामराज्य की ओर मिशन की जानकारी देते संयोजक रविकांत गर्ग, साथ हैं स्वामी रामभद्राचार्य व स्वामी राजेंद्रदास

इस अवसर संत गोपीकृष्ण दास, सौरभ गौड़, राष्ट्रीय महासचिव कुमार सुशांत, सचिव पीतांबर मिश्रा, सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष कुमार स्मृति एवं मलूकपीठ के प्रवक्ता देव द्विवेदी भी उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान

चलो रामराज्य की ओर मिशन का हुआ शुभारंभ

देश के सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गठित रामायण रिसर्च काउंसिल के मिशन चलो रामराज्य की ओर का शुभारंभ बंशीवट स्थित मलूक...

Newswrap • हिन्दुस्तान टीम,मथुरा
Sat, 16 Apr 2022 08:45 PM

देश के सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गठित रामायण रिसर्च काउंसिल के मिशन चलो रामराज्य की ओर का शुभारंभ बंशीवट स्थित मलूक पीठ सेवा संस्थान में तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य देवाचार्य एवं स्वामी राजेंद्रदास देवाचार्य द्वारा किया गया।

संयोजक रविकांत गर्ग ने काउंसिल के गठन का उद्देश्य एवं आगामी क्रियाकलापों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने काउंसिल के मिशन चलो रामराज्य की ओर के माध्यम से समस्त सनातन धर्मावलम्बियों को श्रीराम के जीवन काल में की गई लीलाओं द्वारा स्थापित किए गए आदर्शों एवं उनके भाव के प्रति जागृत करने के उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने काउंसिल द्वारा श्रीराम मंदिर संघर्ष पर लिखे जा रहे ग्रंथ श्रीरामलला मन से मंदिर तक विस्तार से चर्चा की। इस अवसर संत गोपीकृष्ण दास, सौरभ गौड़, राष्ट्रीय महासचिव कुमार सुशांत, सचिव पीतांबर मिश्रा, सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष कुमार स्मृति एवं मलूकपीठ के प्रवक्ता देव द्विवेदी भी उपस्थित थे।

16 अप्रैल 2022 को श्रीहनुमान जी के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में मथुरा में "चलो चलें सब मिलकर रामराज्य की ओर" अभियान के शुभारंभ के अवसर पर तुलसीपीठाधीश्वर पद्मविभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज, मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज एवं संचालन करते काउंसिल के अंतरराष्ट्रीय संयोजक श्री रविकान्त गर्ग (उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल)

रामायण मंच में नियमित प्रतिभाग करने वाले बच्चों की प्रस्तुति तथा काउंसिल की ओर से मिले सम्मान की कुछ तस्वीरें

10 अप्रैल 2022 को रामनवमी के शुभ अवसर पर काउंसिल से जुड़े छोटे बच्चों द्वारा प्रभु श्रीरामजी के जीवन-आदर्शों पर आधारित नाट्यकला का प्रस्तुतीकरण

नई दिल्ली स्थित त्रिवेणी कला केंद्र में रामायण रिसर्च काउंसिल के सहयोग से सरगम मंदिर के 58वें वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम।

16 अप्रैल 2022 को श्रीहनुमान जी के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर गाजियाबाद स्थित सेवाधाम विद्या मंदिर में काउंसिल द्वारा आयोजित कार्यक्रम... इस कार्यक्रम में 125 बच्चों ने एक साथ श्रीहनुमान चालीसा संपुटित पाठ किया।

कार्यक्रम

10.05.2022 को श्रीभगवती सीताजी के प्राकट्य उत्सव पर गाज़ियाबाद के वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बाल सखागण श्रीरामचरितमानस का गायन प्रस्तुत करने के बाद एक ग्रुप फोटो में।

दैनिक भास्कर

सीता नवमी पर छोटे बच्चों ने की अनुपम प्रस्तुति

भास्कर ब्यूरो | गाजियाबाद

रामायण रिसर्च काउंसिल ने माता सीताजी के प्राकट्य दिवस पर वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छोटे बच्चों ने श्री रामचरितमानस की चौपाई गाकर माता सीता के जीवन दर्शन का चित्रण किया। कार्यक्रम की शुरुआत जानकी स्तुति के साथ होने के बाद पांच वर्ष के यज्ञ कांडपाल ने सबसे पहले नमामि शमिशान रुद्राष्टक स्तोत्र गाकर सबका दिल जीत लिया। तो वहीं काशवी सिंघल ने ब्रह्मा कृत स्तुति जय जय सुर नायक गाकर खूब तालियां बटोरीं। रिद्धि त्रिपाठी ने श्री राम जन्म स्तुति भए प्रगट कृपाला को मधुर स्वर में प्रस्तुत किया, वहीं उन्नति सिंघल ने माता जानकी द्वारा मां गौरी की प्रार्थना और वरदान प्राप्ति के प्रसंग को प्रस्तुत कर सबको भावुक

कर दिया। आरल सिंघल और अर्जुन सिंह की जोड़ी ने परशुराम लक्ष्मण संवाद का वर्णन किया, सिद्धि जैन ने अयोध्या कांड की आरंभिक चौपाई को संगीत की लय पर गाया, आदित्य मोहन ने केवट प्रसंग, ईहा ने सुरसा हनुमान संवाद, आराध्या भारद्वाज और रिद्धि जैन ने विभीषण हनुमान संवाद, दीक्षा कर्नाटक और ध्रुव शर्मा ने हनुमान जानकी संवाद तथा आदित्य भारद्वाज ने रावण मरण प्रसंग का गायन के माध्यम से चित्रण किया। वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय के संस्थापक और अध्यक्ष पंडित हरिदत्त शर्मा ने सभी बच्चों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए रामायण रिसर्च काउंसिल के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर रामायण रिसर्च काउंसिल के संस्थापक कुमार सुशांत ने कहा कि यह काउंसिल छोटे बच्चों में संस्कार और संस्कृति की भावना के विकास के लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए छोटे बच्चों को हम श्री रामचरितमानस की चौपाई याद करवाते हैं और उसे काउंसिल के प्रकल्प रामायण मंच यू-ट्यूब के माध्यम से प्रसारित करते हैं, ताकि अन्य बच्चों में भी रामचरितमानस के प्रति एक भाव उत्पन्न हो सके और वो आगे आकर इस पवित्र ग्रंथ की चौपाई का अधिक से अधिक वाचन कर सकें।

अमर उजाला

सीता नवमी पर छोटे बच्चों ने दी अनुपम प्रस्तुति

गाजियाबाद। रामायण रिसर्च काउंसिल ने माता सीता के प्राकट्य दिवस पर वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। महाविद्यालय के छोटे बच्चों ने श्री रामचरितमानस की चौपाई गाकर माता सीता के जीवन दर्शन का चित्रण किया। पांच वर्ष के यज्ञ कांडपाल ने सबसे पहले नमामि शमिशान, रुद्राष्टक स्तोत्र का पाठ किया। काशवी सिंघल ने ब्रह्मा कृत स्तुति जय जय सुर नायक गाकर खूब तालियां बटोरीं। रिद्धि त्रिपाठी ने श्री राम जन्म स्तुति भए प्रगट कृपाला गाया। इसके अलावा उन्नति सिंघल, आरल सिंघल, अर्जुन सिंह, सिद्धि जैन, आदित्य मोहन, ईहा, आराध्या भारद्वाज, रिद्धि जैन ने प्रस्तुति दी। इस मौके पर महाविद्यालय के संस्थापक और अध्यक्ष पंडित हरिदत्त शर्मा सहित काउंसिल के संस्थापक कुमार सुशांत, राजीव सिंह मौजूद रहे। सुशांत ने बताया कि रिसर्च काउंसिल सीतामढ़ी में माता सीता की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित करने जा रही है। ब्यूरो

नवोदय टाइम्स

सीता नवमी : बच्चों ने दी प्रस्तुति

गाजियाबाद, 10 मई (नवोदय टाइम्स): रामायण रिसर्च काउंसिल ने माता सीताजी के प्राकट्य दिवस पर वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छोटे बच्चों ने श्री रामचरितमानस की चौपाई गाकर माता सीता के जीवन दर्शन का चित्रण किया। इस दौरान बच्चों ने नमामि शमिशान रुद्राष्टक स्तोत्र, ब्रह्मा कृत स्तुति, श्री राम जन्म स्तुति, मां गौरी की प्रार्थना और वरदान प्राप्ति के प्रसंग को प्रस्तुत कर सबको भावुक कर दिया। इस मौके पर रामायण रिसर्च काउंसिल के संस्थापक कुमार सुशांत ने कहा कि यह काउंसिल छोटे बच्चों में संस्कार और संस्कृति की भावना के विकास के लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए छोटे बच्चों को हम श्री रामचरितमानस की चौपाई याद करवाते हैं और उसे काउंसिल के प्रकल्प रामायण मंच यू-ट्यूब के माध्यम से प्रसारित करते हैं, ताकि अन्य बच्चों में श्री रामचरितमानस के प्रति एक भाव उत्पन्न हो सके और वो आगे आकर इस पवित्र ग्रंथ की चौपाई का अधिक से अधिक वाचन कर सकें।

दैनिक जागरण

सीता प्राकट्य दिवस पर बच्चों ने सुनाई चौपाई

वि. गाजियाबाद: रामायण रिसर्च काउंसिल द्वारा मंगलवार को सीता के प्राकट्य दिवस पर वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के छोटे बच्चों ने श्री रामचरितमानस की चौपाई गाकर माता सीता के जीवन दर्शन का चित्रण किया। काउंसिल के संस्थापक कुमार सुशांत ने कहा कि छोटे बच्चों में संस्कार और संस्कृति की भावना के विकास को लेकर संस्था लगातार कार्य कर रही है। श्री रामचरितमानस की चौपाई बच्चों को याद करवाते हैं और उसे काउंसिल के प्रकल्प रामायण मंच यू-ट्यूब के माध्यम से प्रसारित करते हैं, ताकि अन्य बच्चों में श्री रामचरितमानस के प्रति एक भाव उत्पन्न हो सके और वह आगे आकर इस पवित्र ग्रंथ की चौपाई का अधिक से अधिक वाचन कर सकें। वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय के संस्थापक पंडित हरिदत्त शर्मा ने सभी बच्चों के उत्साह की प्रशंसा की।